



!! श्री कार्तिकेय जी की आरती !!

जय कार्तिकेय स्वामी, जय कार्तिकेय स्वामी,
जय षण्मुख देवा, जय षण्मुख देवा ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

तुम शिव शंकर के सुत हो, पार्वती के दुलारे,
देवों के सेनापति, संकट हरन हमारे ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

मोर वाहन शोभित, हाथ शक्ति धारी,
छः मुख तेजोमय, रूप अति न्यारी ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

तारकासुर संहारी, दुष्ट दलन कर्ता,
भक्तों के हितकारी, दुख हरण करता ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

ज्ञान और वीरता के, तुम हो भंडारी,
भक्ति भाव से जो ध्यावे, पावे कृपा तुम्हारी ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

बाल रूप मनोहर, करुणा के सागर,
शरण पड़े जो तेरी, कटे उसके सागर ।
जय जय कार्तिकेय स्वामी ॥

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

<https://bhaktimargdarshan.com/>

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी ।
अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें ।

Bhakti Margdarshan

